



Shivam Gupta Ji



Vaishali

Model: Love-Horoscope

Order No: 121541601

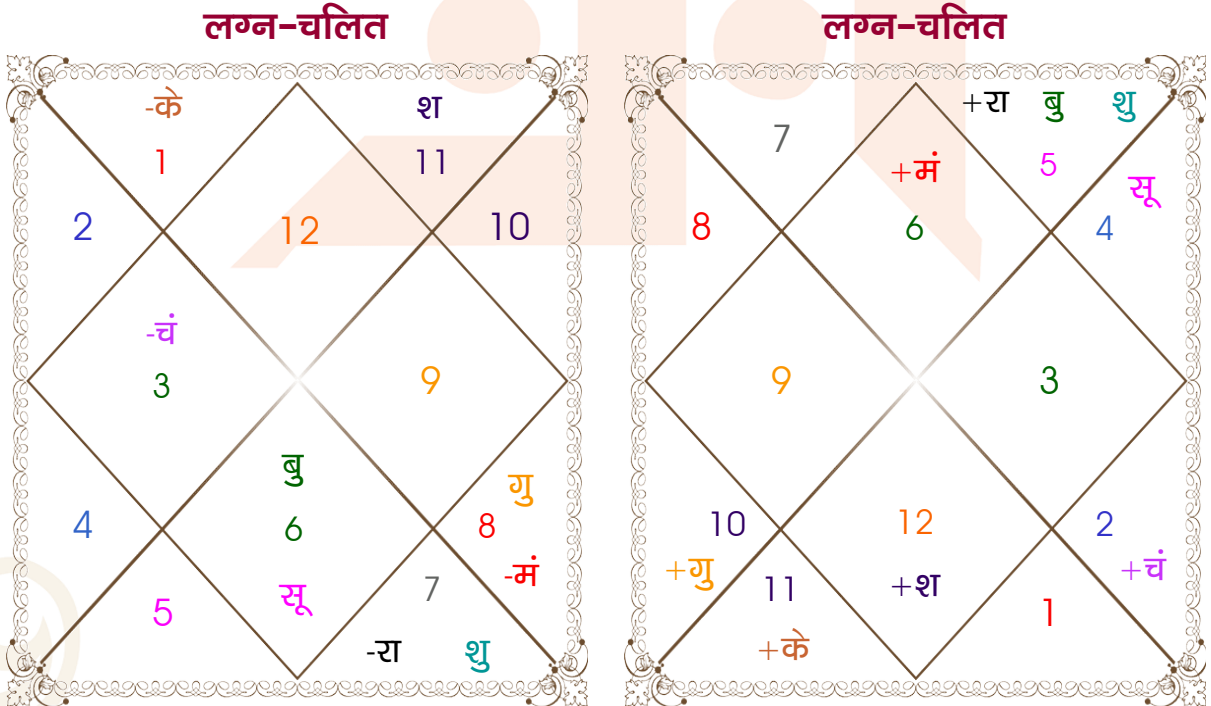
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
14/10/1995 :	जन्म तिथि	: 30/07/1997
शनिवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 17:40:00 :	जन्म समय	: 10:00:00 घंटे
घटी 28:26:33 :	जन्म समय(घटी)	: 11:02:09 घटी
India :	देश	: India
Najibabad :	स्थान	: Delhi
29:37:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
78:19:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:17:22 :	सूर्योदय	: 05:41:19
17:48:04 :	सूर्यास्त	: 19:13:19
23:48:00 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:22
मीन :	लग्न	: कन्या
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
मिथुन :	राशि	: वृष
बुध :	राशि-स्वामी	: शुक्र
मृगशिरा :	नक्षत्र	: मृगशिरा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
3 :	चरण	: 1
परिघ :	योग	: ध्रुव
वणिज :	करण	: कौलव
का-कमल :	जन्म नामाक्षर	: वे-वैशाली
तुला :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
शूद्र :	वर्ण	: वैश्य
मानव :	वश्य	: चतुष्पाद
सर्प :	योनि	: सर्प
देव :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 10मा 4दि	25:21:36	मीन	लग्न	कन्या	08:26:34	मंगल 5वर्ष 10मा 20दि
गुरु	26:52:21	कन्या	सूर्य	कर्क	13:13:59	गुरु
19/08/2015	03:09:06	मिथु	चंद्र	वृष	25:26:58	19/06/2021
19/08/2031	01:40:11	वृश्चि	मंगल	कन्या	27:07:43	19/06/2037
गुरु 06/10/2017	11:12:59	कन्या	बुध	सिंह	10:01:55	गुरु 08/08/2023
शनि 18/04/2020	18:53:58	वृश्चि	गुरु व	मक	24:30:51	शनि 18/02/2026
बुध 25/07/2022	11:24:14	तुला	शुक्र	सिंह	14:09:33	बुध 26/05/2028
केतु 01/07/2023	25:24:48	कुंभ व	शनि	मीन	26:31:57	केतु 02/05/2029
शुक्र 01/03/2026	02:42:48	तुला	राहु व	सिंह	26:50:18	शुक्र 01/01/2032
सूर्य 18/12/2026	02:42:48	मेष	केतु व	कुंभ	26:50:18	सूर्य 19/10/2032
चन्द्र 18/04/2028	02:45:10	मक	हर्ष व	मक	12:51:32	चन्द्र 18/02/2034
मंगल 25/03/2029	28:59:55	धनु	नेप व	मक	04:30:21	मंगल 25/01/2035
राहु 19/08/2031	05:12:13	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:03:37	राहु 19/06/2037

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

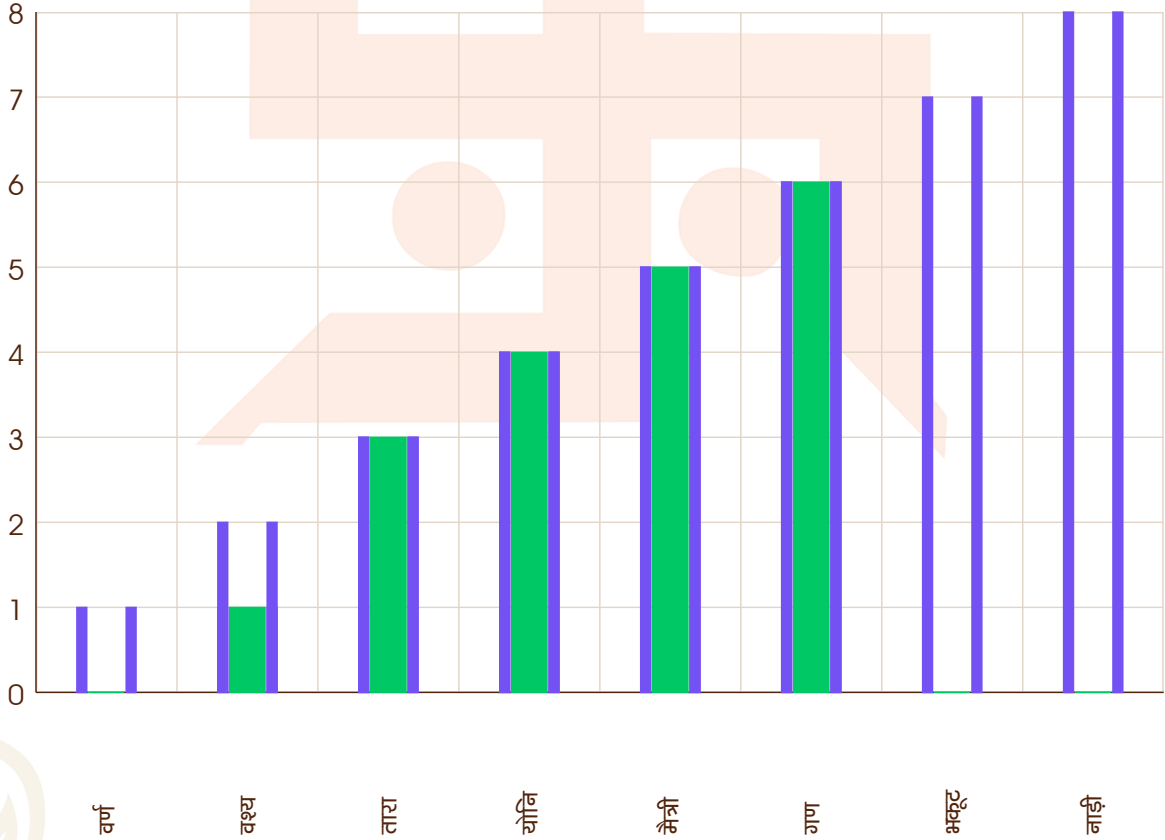
23:48:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:22



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एक है तथा चरण भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Shivam Gupta Ji का नक्षत्र मृगशिरा है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Vaishali का नक्षत्र मृगशिरा है।

Shivam Gupta Ji का वर्ग मार्जार है तथा Vaishali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shivam Gupta Ji और Vaishali का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Shivam Gupta Ji मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Vaishali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Shivam Gupta Ji तथा Vaishali में मंगलीक मिलान ठीक नहीं है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Shivam Gupta Ji का वर्ण शूद्र है तथा Vaishali का वर्ण वैश्य है। क्योंकि Vaishali का वर्ण Shivam Gupta Ji के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Vaishali अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह Vaishali अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

Shivam Gupta Ji का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Vaishali का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Shivam Gupta Ji एवं Vaishali दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Vaishali अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Shivam Gupta Ji अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Shivam Gupta Ji की तारा जन्म तथा Vaishali की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Shivam Gupta Ji की योनि सर्प है तथा Vaishali की योनि भी सर्प है। अर्थात् दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के

मार्ग प्रशस्त होंगे ।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Shivam Gupta Ji एवं Vaishali दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Shivam Gupta Ji एवं Vaishali के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Shivam Gupta Ji एवं Vaishali जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Shivam Gupta Ji का गण देव तथा Vaishali का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Shivam Gupta Ji से Vaishali की राशि द्वादश भाव में स्थित है Vaishali से Shivam Gupta Ji की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Shivam Gupta Ji परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Vaishali का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Vaishali की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Vaishali तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Shivam Gupta Ji की नाड़ी मध्य है तथा Vaishali की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Shivam Gupta Ji एवं Vaishali का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Shivam Gupta Ji की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा Vaishali की राशि भूमितत्व युक्त वृष राशि है। वायु एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक शत्रुता एवं असमानता का भाव विद्यमान रहता है अतः Shivam Gupta Ji और Vaishali के मध्य स्वभावगत असमानताओं के कारण संबंधों में मधुरता की अपेक्षा तनाव रहेगा परन्तु परस्पर सामंजस्य से अनुकूल वातावरण बनाने में दोनों समर्थ रहेंगे।

Shivam Gupta Ji का राशी स्वामी बुध तथा Vaishali का राशि स्वामी शुक परस्पर मित्र हैं। अतः इसके प्रभाव से Shivam Gupta Ji और Vaishali में स्वभावगत असमानताएं होते हुए भी एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं स्नेह का भाव रखेंगे तथा दो सच्चे मित्रों की तरह एक दूसरे के दोषों की उपेक्षा करते हुए पूर्ण सहयोग का भाव रखेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख एवं शांति में भाव में वृद्धि होगी।

Shivam Gupta Ji और Vaishali की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं। जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से मानसिक स्तर पर विभिन्नता के कारण संबंधों में तनाव का भाव उत्पन्न हो सकता है। Shivam Gupta Ji की प्रवृत्ति परिवर्तनशील होगी जबकि Vaishali इसे पसंद नहीं करती। साथ ही Vaishali शांति प्रिय तथा आदर्श गृहिणी होंगी जबकि Shivam Gupta Ji अपने कार्य कलापों को करने में तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Vaishali की इच्छा के प्रतिकूल Shivam Gupta Ji की क्रियाओं से परस्पर संबंधों की मधुरता में न्यूनता रहेगी।

Shivam Gupta Ji का वश्य मानव तथा Vaishali का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता एवं शुभता का भाव रहता है। अतः Shivam Gupta Ji और Vaishali की अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता होगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में अल्प मात्रा में ही सफल होंगे जिससे जीवन विशेष सुखमय नहीं रहेगा।

Shivam Gupta Ji का शूद्र वर्ण होने के कारण वह एक गंभीर एवं कर्तव्य परायण कार्यकर्ता होंगे तथा अपने इन गुणों से कार्य करने में तत्पर रहेंगे। Vaishali का वर्ण वैश्य है अतः धनार्जन तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्य करने में उनकी रुचि रहेगी तथा आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगी।

धन

Shivam Gupta Ji और Vaishali दोनों का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनका आर्थिक स्तर उन्नत रहेगा तथा जीवन में धन धान्य एवं ऐश्वर्य से युक्त रहेंगे। इनकी एक दूसरे की राशि द्वितीय एवं द्वादश में होने के कारण भकूट दोष रहेगा लेकिन मंगल का आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव न होने के कारण इनकी आर्थिक सुदृढ़ता

तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। साथ ही जीवन में भौतिक सुख संसाधनों से युक्त रहकर उनका उपभोग करेंगे।

तथापि भ्रूट दोष के कारण Shivam Gupta Ji की प्रवृत्ति व्ययशील होगी लेकिन मंगल के दुष्प्रभाव न होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा किसी विशेष अवसर पर भी आर्थिक न्यूनता नहीं आएगी। Shivam Gupta Ji को पैतृक सम्पत्ति की भी प्राप्ति होगी जिससे धन एवं विलास संबंधी वस्तुओं में न्यूनता नहीं आएगी तथा सामान्य जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

Shivam Gupta Ji और Vaishali दोनों का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है परन्तु एक ही नक्षत्र के विभिन्न चरणों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है लेकिन मंगल का Shivam Gupta Ji के स्वास्थ्य पर विशेष अशुभ प्रभाव रहेगा। अतः इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियों की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी तथा यदा कदा वे धातु संबंधी रोगों से भी कष्ट की अनुभूति करेंगे एवं रति क्रिया में भी शिथिलता रहेगी। मंगल के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए। साथ ही मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए। इससे अशुभ फलों में न्यूनता आएगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Shivam Gupta Ji और Vaishali का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Shivam Gupta Ji और Vaishali के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Vaishali के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Vaishali को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Vaishali को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Shivam Gupta Ji और Vaishali सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Shivam Gupta Ji और Vaishali का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Vaishali के अपने सास से सामान्य संबंध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Vaishali यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Vaishali को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Vaishali को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

Shivam Gupta Ji के सास से सामान्यतया मधुर संबंध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबंध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Shivam Gupta Ji के संबंध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबंधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Shivam Gupta Ji के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Shivam Gupta Ji भी मधुर संबंधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।

लग्न फल

Shivam Gupta Ji

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृत्ति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृत्ति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगों की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते हैं। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रुख अपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृत्ति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृत्ति

के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते हैं तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।

Vaishali

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेषकाण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पत्ति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं हैं। बल्कि आपकी अभिरुचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगी।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगी। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपनी मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकती हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगी। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपनी स्पन्दित आदतों को त्याग सकती हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी

बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेती हैं और कार्य के पीछे पड़ जाती हैं। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्या है।

आप बुद्धिमान स्तर की प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करती हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करती हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृत्ति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में ऑडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकती हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकती हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप के प्यारे पति भगवान की देन प्रमाणित होंगे। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जो अपने जीवन में अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आपका अपनी वासनात्मक प्रवृत्ति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगी।

आप निःसंदेह दीर्घायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगी। परन्तु आपके अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक हास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकती हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंक ज्योतिष फल

Shivam Gupta Ji

आपका जन्म दिनांक 14 है। एक एवं चार के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। एक अंक का सूर्य तथा चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह है। इन सभी ग्रहों का न्यूनाधिक मात्रा में आपके ऊपर प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी बुध के प्रभावश आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार मार्ग का चुनाव करना अधिक पसन्द करेंगे। रोजगार आप ऐसा चुनेंगे, जहाँ लेखा, लेन-देन, वाणिज्य, यांत्रिकी जैसे कार्य संपादित हों। फैक्ट्री, कम्पनी, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुध वाणी का दाता है। सूर्य प्रसिद्धि का, हर्षल परिवर्तन का। अतः आपके अन्दर वाक् पटुता, बुद्धि-विवेक अच्छा रहेगा एवं आपकी सामाजिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। मूलांक के प्रभाव से आपकी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ परिवर्तनशील रहेंगी एवं परिवर्तन करते रहना आपको अच्छा लगेगा।

परिवर्तनशील गुण होने से आपके विचारों में समयानुसार, अवस्थानुसार बदलाव आता रहेगा। जो कि आपकी अन्तिम अवस्था तक चलेगा। इस क्रिया का अन्त में आपको लाभ अच्छा मिलेगा और आपका यश, नाम इत्यादि दीर्घकाल तक याद किया जाता रहेगा। आप अपनी कमियों का निरन्तर निरीक्षण करते रहेंगे तो निश्चित ही आप उक्त ग्रहों के प्रभाववश एक सफल व्यक्तित्व के धनी हो जायेंगे।

Vaishali

आपका जन्म दिनांक 30 है। तीन एवं शून्य का योग तीन आपका मूलांक होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह को माना गया है। शून्य शिव है, अखण्ड ब्रह्माण्ड का द्योतक है।

मूलांक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव वश आप एक अनुशासन प्रिय तथा कठोर महिला के रूप में चर्चित रहेंगी। आपकी स्वयं अनुशासन में रहने की इच्छा रहेगी और यही अपेक्षा दूसरों से करेंगी। मातहतों के साथ आपकी कार्यशैली कठोर रहेगी। इससे आपको अधीनस्थों के विरोध, आलोचनाओं का शिकार होना पड़ेगा। आपका रुझान ज्ञान की ओर होने से आप विद्याध्यन के क्षेत्र में सफल रहेंगी। बौद्धिक स्तर के कार्य आप भलीभाँति संपादित करेंगी। कार्यों में आपकी मौलिकता झलकेगी। आपकी मुखिया बनने की महत्वाकांक्षा कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत रहेगी और दूसरों पर शासन करने में निपुण रहेंगी। धर्मक्षेत्र, कार्यक्षेत्र, समाजसेवा इत्यादि के कार्यों में आपको ख्याति प्राप्त होगी।

तर्क, ज्ञान शक्ति आपमें होने से आप मानसिक रूप से संतुलित रहेंगी तथा इसकी छाया आपके कार्यों में दृष्टि गोचर होगी। आप सामाजिक भलाई के कार्यों में रुचि लेंगी एवं कभी-भी किसी का अहित नहीं करेंगी। शून्य प्रभाववश आप शान्त, कोमल हृदय की, वाणी से

मधुर, सच्चाई के रास्ते पर चलने वाली, धर्म-कर्म के क्षेत्र में अग्रण्य महिला के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

Shivam Gupta Ji

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

Vaishali

भाग्यांक नौ का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगी। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगी, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगी। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो। विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगी। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगी।